



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**निबंध**  
**ESSAY**

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

**सामान्य अनुदेश**

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

**General Instructions**

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00709839

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : MANSI SINGH

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी  
Medium: Hindi/English

**ENGLISH**

तारीख  
Date

**Aug 31, 2024**

**निबंध**  
**ESSAY**

केंद्र  
Centre

**029**  
**NAGPUR.**

**Man2007**  
निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;"><b>महत्वपूर्ण अनुदेश</b></p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;"><b>Important Instructions</b></p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**निबंध**

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

**प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

**ESSAY**

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

### खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।  
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।  
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।  
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।  
The will of the people cannot make just that which is unjust.

### खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।  
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।  
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।  
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।  
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड - A / SECTION - A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।  
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।  
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।  
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।  
The will of the people cannot make just that which is unjust.

THE WORLD MUST LEARN TO WORK  
TOGETHER, OR FINALLY IT WILL  
NOT WORK AT ALL

"No man is an island  
Entire of it sey !!

Every man is a piece of continent  
A part of the main!!"

Through these lines, Donnes  
highlighted that, every one is

part of some main framework  
and for that structure to work,  
it is imperative for all to come  
together without delay before  
it stop working at all.

Let us look at our own body.

You are capable of reading because  
your brain is fully functional as  
oxygen is reaching there because  
of continuous functioning by lungs  
and heart. This is the "collective  
functioning", that fuels the working  
of body. The day one organ stops,  
life will be in peril!!

This same is followed in  
our world, from microorganisms to

never ending universe, every phenomenon is spiraled around common fabric of collectiveness.

In the tapestry of human history, there are few stories as stirring and poignant as of Indian freedom struggle under guidance of Mahatama Gandhi. It was his guit and greatness that united the India. From youth to old, male to female, labourer to industrialists, all became part of Satyagrah and Ahimsa. The result of this tale needs no further explanation!!

It took 2 years 11 months and 18 days to complete world's largest Constitution. As per study, average life of constitution in world is mere 17 years. But, Indian constitution in this "Azadi Ka Amrit Kaal" is not only surviving but flourishing. Their key to its success lies in coming together of our forefathers with vision of equality, fraternity and liberty.

On other hand, Sir Ivor Jennings, one of the best analyst on constitution drafted Sri-Lankan Constitution. This stopped working after some time and the reason was, of course, it was not end product

of coming together.

Similarly, in field of governance, when people learn to work together, Participative Governance takes shape. Transparency and Accountability become pious and new-norms for citizens. This shoots the monster of corruption which has engulfed society under veil of ignorance.

On contrast, working in silos give birth to "weberian bureaucracy". This rusts the steel framework of India and produces "Super-elite" class lacking compassion, love, empathy for common man.

As man is product of its environment, It is imperative to peek into environmental aspect of it. When people think themselves as supreme species, anthropocentric approach develops which has given rise of global warming, ocean acidification, ozone depletion and ultimately doom day is approaching.

It is only when, all the constituents of nature, flora, fauna and abiotic components come together, then only sustainable development can be ensured !!

As far as International relations are concerned, this axiom of working together holds water.

The failure of "League of Nations" bears testimony that when world doesn't work together, world-wars are inevitable. Even now, protectionism, Israel-Hamas war, Russia-Ukraine war are end products of jingoistic nationalism based on narrow interests. Already, appellate body of WTO is dysfunctional. Wlas! but if this continues, the "system of globalisation" will stop working!!

Even at militarical level, India failed setback in 1962 war because all force were not synchronised and system of defence halted. As India learned from her mistake,

made all armed forces work together, the 1972 war, as said, became the savage moment in annals of history!!!

As we have discussed so far, how working together is sine-qua-non for world to work together, it is imperative to delve whether it is ultimate truth?

Answer is a big No!!

When society was engulfed in curtain of discrimination, poverty, social evils like sati, child marriage, at that time working together was not possible. The need was to stand up against the system and stop the wheel of evil system. It was spine of Rajoram

Mohan Roy, Swami Dayanand Saraswati  
Ishwar Chand Vidyasagar, that  
not only halted the wheel but  
only broken the wheel. From the  
ashes, phoenix of equality and liberty  
took birth!!

Also, there is one concept of  
"SOCIAL LOOFING" i.e. when people  
work together, it creates sense of  
illusion that no one is looking at  
individuals and thus lack of  
one hand will make no difference.

Robert Swan said, "The biggest  
threat to environment is the  
belief that someone else will  
save it - - -"

Additionally, due to circumstances  
individual actions are needed to

fight against evil. Rani Laxmi

Bai fought courageously against  
system of British exploitation.

She set an example to be  
followed by others. As it is said,

"Akela hi chala tha janib-e-manjil  
log aate gaye, Kafila banta gaya"

(which means, sometime you have  
to move alone towards goal, people  
will later come together).

The next question that may  
comes to mind, "How to develop  
this quality of working together?"

Let me tell you the secret

ingredients for making this world come together. The first ingredient is "EMOTIONAL INTELLIGENCE" which is based on empathy and social skills. It helps in removing conflicts and reaching consensus based decision-making.

The second ingredient is "Compassion" as it is <sup>the</sup> first chapter in book of wisdom. It creates sense of togetherness and fills the gaps between haves and have-nots.

The last but not least is attitude of leadership to bring all in same page. As it is said "If you want to go faster, go

alone, if you want to go farther,  
go together"

Thus, through this composition,  
it is not crystal clear that  
world should learn to work  
together for long term sustaina-  
bility. This axiom holds water  
in time as well as space as  
it is said "whole is always  
greater than parts". When world  
comes together, then only goal  
of Rabindra Nath Tagore can be  
realised. "when world is  
without fear, where head is held  
high - - - - - !!"

उम्मीदवारों को  
इस हाशिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को  
इस ह्राशिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।  
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।  
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।  
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।  
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

To be yourself in a world that is  
constantly trying to make you  
something else is greatest accomplishment

Scene 1 "And yet it moves": these

words by Galileo Galilei during his  
forceful recantation by church shows  
his firm adherence to his beliefs  
regarding solar system.

Scene 2 : Time was 1974, this young  
lady read advertisement for

job at TELCO but got surprised as this was available only for males.

She wrote letter to J.R.D. Tata. Later, she was called for interview and became "first female engineer" at TELCO. She was our Sudha Murthy!!

These two tales though separated by time but are living testimony to the fact that the greatest accomplishment in life is to be yourself in a world that is constantly trying to make you something else. Adhering to the norms of church by Galileo or norms of gender by Sudha Murthy were easy way out but choosing to be themselves had made

them unique and great !!

But, But, But, why to be yourself?  
Isn't it the most difficult task?

This question reminds me a  
poem of Maya Angelou...

" You may kill me with your words  
You may cut me with your looks !  
You may shoot me <sup>with</sup> your actions  
But, like air, I shall rise !! "

This shows that it is self-belief  
and self-motivation that is instilled  
when one chooses to be oneself  
despite pressure. The weak gets  
succumbed to strain but it is  
trait of stronger to rise like

air air!!

उम्मीदवारों को  
इस हाशिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

The confidence that emanate from choosing to be yoursely is unparalleled and unwavering. As Sachin Tendulkar in "<sup>Playing</sup> ~~plep~~ it my way" (his autobiography) mentioned when world was forcing him to go for academic pursuit and a settled career, he chose the road he travelled by and that has made all difference!!

We all have heard that ship is always safe at harbour but that is not what ship is for. Thus choosing not to be

yourself and conforming to the society is the easiest and safest way but that is not a way to become great. Ashok Khemka, name known to everyone, is not because of his administrative acumen only but because he selected integrity, probity and public services over personal gains and collusion with nasty politician.

Also, choosing yourself create harmony between pathos, ethos and logos and thus remove cognitive dissonance which is a necessary element to maintain mental peace and calmness. At

present youths of Japan are facing a social syndrome named hikikomori

Syndrome resulting in social withdrawal and aloofness. The prime cause for this is rat-race competition for good marks, stable career. In this long quest, they forgot to be themselves and results are visible now!!

Gandhiji in his 'Experiment with truth' mentioned that though he got caught into wrong habits of lying, non-vegetarianism and alcoholism. He made course-correction and chose to be himself by adhering to principle of satya, ahimsa and non-stealing, the result

was unique way of Indian freedom Struggle. When world was constantly trying to continue Non-cooperation Movement after Chawra-chauri Incident his beliefs in 'ahimsa' resulted in withdrawal of movement, despite facing wrath of national leaders!!

If we look into annals of history, even India as a country faced continuous pressure from world.

From selecting between capitalism and socialism, party in cold-war, siding Russia or Ukraine, India chose to be neutral and

followed path of golden mean and continued her traditional values of compassion, non-adherence and humanity. This resulted in her greatest accomplishment in form of "VISHWA GURU" !!

But, is it always necessary to be yourself?? Can it have negative implications too??

As it is said, green is always greener at opposite side. We have, so far, talked about necessity of being oneself but it is imperative to delve into its nuances. Even,

Hitler chose to be himself but was it the greatest accomplishment?

Obviously No!! From AKbar to Aurangzeb, Mandela to Nigam, all are known for their adherence to principle of being oneself. Then why the former are only considered great and not later ones?

The answer was given by Emanuel Kant in, "The critique of practical wisdom". According to him when "ethics" and "purdy of means" are not followed, practical wisdom becomes a devil and led to arise of self-centered, narrow-minded and corrupted leader like Aurangzeb

and mugave !!

उम्मीदवारों को  
इस हार्डिप में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

Also, when person starts selecting  
to be oneself and not listen to  
the world, a narcisist tendency  
could be developed which is  
detrimental not only for individual  
but for society as a whole.

The swing tendency of coup in our  
present world bears testimony to it.

Thus, bottom line is, being  
oneself should be spieraled around  
Common fabric of ethics to provide  
favourable accomplishments. With  
this individual accomplishment  
will be entangled with "greater"

good of greater number" as per  
Utilitarianism of Jeremy Bentham  
and Stuart Mills.

Through quality of Courage,  
leadership, emotional intelligence,  
self-motivation, self-awareness,  
empathy and social skills, quality  
of being ourselves can be instilled  
in individuals.

In words of Invictus, "I  
am the master of my fate, I  
am captain of my soul". This  
should be the guiding conductor  
for being ourselves when world  
is constantly trying to make us

Something else!!

उम्मीदवारों को  
इस हार्शिय में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

It is mark of an educated mind to be able to entertain a thought w/o accepting it.

Descartes: Cogito Ergo Som

Logic is anatomy of thought

Recipe of entertaining thought

① Logic                      ② Rationality

③ Intuition                ④ Scientific temperance

⑤ Curiosity

⑥ Imagination (Margaret Mead)

⑦ Wisdom -

Science is org. knowledge  
but wisdom is " life "

result

- ① Acceptance → Buddha.
- ② Justice - *Justia Indu Mallu*
- ③ Liberty *voltair*
- ④ Fraternity
- ⑤ Equality
- ⑥ Social Reform
- ⑦ Technol *Klaus Schwab*

And yet it moves galileo

Phil. accepting thought.  
Critique of Practical wis

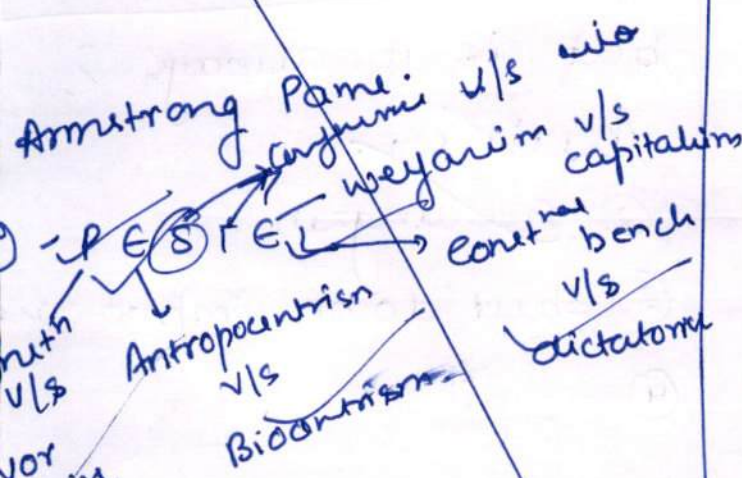
eg. → Voltaire - I may not agree  
→ Marie Curie - "There is nothing to be feared, there is need to be un

# SPACE FOR ROUGH WORK

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

sonne.  
No man is an island

whole is always greater than its parts.



Is it always necessary to work together?

- ① Social evil
- ② wrong doings.
- ③ setting examples.
- ④ "Akhil hi chala hua"
- ⑤ Social loafing: Emv: Robert Swan

social auditing & participative democracy  
Weberian.

Qualities needed to work together

1962 was  
1972 was ✓

- ① collegiality.
- ② Emotional Intelliyence.
- ③ Integrity.
- ④ 1

Internat  
Multilateralism.  
silos - supply chain disruption.

## SPACE FOR ROUGH WORK

To be yourself in a world that is constantly  
trying to make you something else is great  
accomplishment.

✓ Suaha Muthy : TELCO  
1974

✓ Yet it moves : gaitelo  
Why to be yourself

① ensure self worth

② Inert Confidence.  
Maya Angelou.

③ Need for growth.

④ Perseverance - ~~strong~~  
↳ playing it

⑤ Reforme. Gandhi my way  
How to be yourself

① Courage. (Nelson Mandela  
Truth & Concilliation)

② Motivation

③ Intelligence.

④ Leadership quality.

but is it always ?

① Hitler.

② Aurangzeb.

③ Shut down improvement

④

Be yourself

concl<sup>n</sup>: Invictus - "I am  
the master of my fate,  
am captain of my soul"